



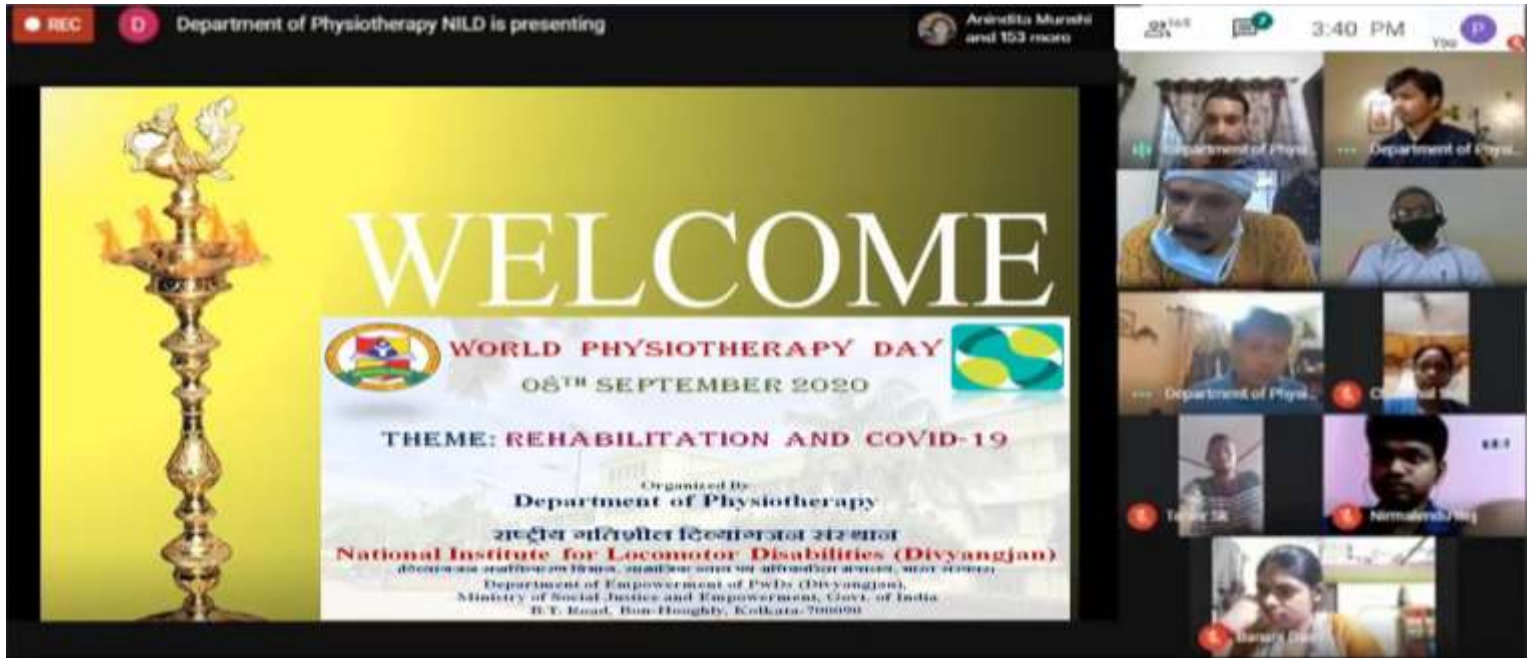
WORLD PHYSIOTHERAPY DAY

08th SEPTEMBER 2020

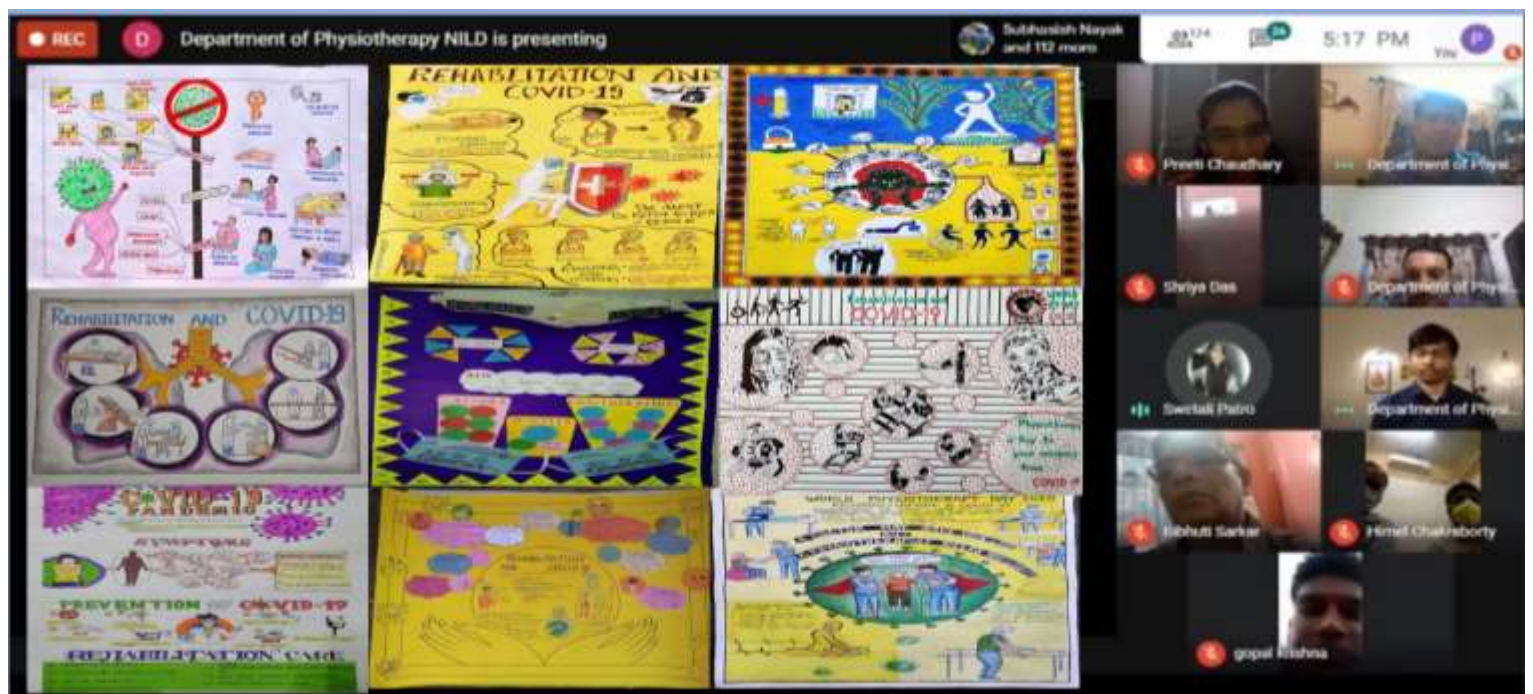
REPORT OF ONLINE ACTIVITIES



On the occasion of World Physiotherapy Day, Department of Physiotherapy organised different online program on virtual platform on 08th September 2020. This year theme of the program was Rehabilitation and COVID-19.



Dr. S.P. Das, Director, NILD inaugurated the World Physiotherapy Day Program by virtual Lamp Lighting.



39 Students participated in online Poster Competition on the theme of "Rehabilitation & COVID-19" which was Judged by Dr. Himel Chakraborty and Sh. Jeetendra Mohapatra on World Physiotherapy Day.



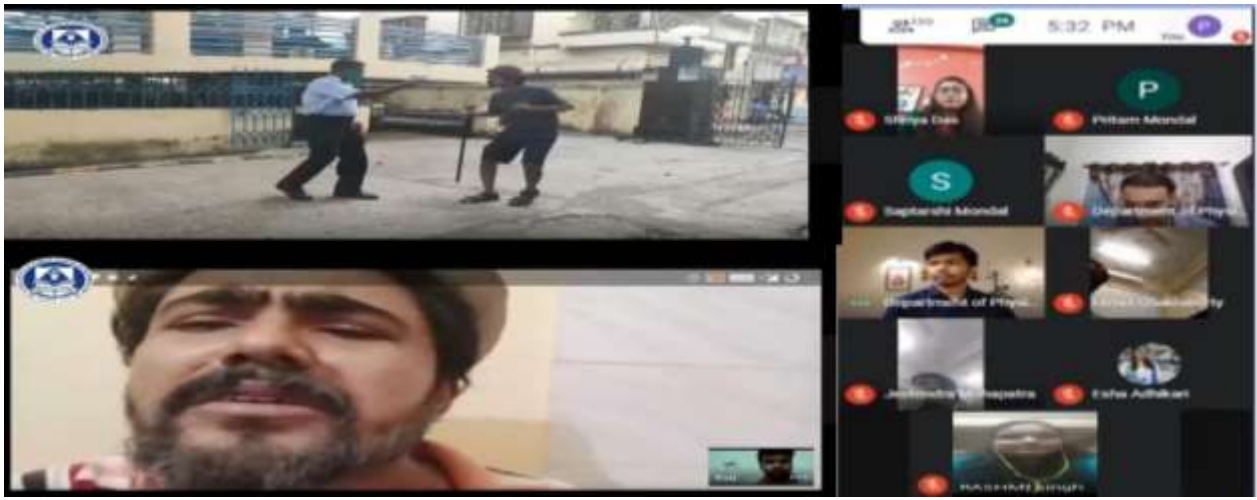
Online Quiz Competition was Organised on the Occasion of World Physiotherapy Day at NILD, Kolkata



On this occasion to Improve Public Awareness on COVID-19 online video was released which is also uploaded on the NILD website.



Online Cultural Program was organised on the occasion of World Physiotherapy Day.



To Improve Public awareness on COVID-19 online Skit was organised on World Physiotherapy Day

Several Print Media has given Coverage to the Program:

राज्य में लड़कियों में बाल अंधिपने की संख्या लड़कों की तुलना में ज्यादा हुई सर्वसम विद्यक गया जिनमें से 173 दिव्यांग हैं। 10वाँक कानूनना, जम्पार, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग patrika.com अनुमान है कि यह घटना पारिवारिक और देखा कि माँ और बेटी के बीच विवाद के कारण हुई। पुलिस के विचार पर रहे हैं।

वर्चुअल कार्यक्रम का आयोजन

कोरोना से उबरने में फिजियोथैरेपी की भूमिका महत्वपूर्ण - डॉ. दास

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान ने मनाया विश्व फिजियोथैरेपी दिवस

पत्रिका न्यूट नेटवर्क
patrika.com

कोलकाता - सर्वसम में भारत सहित पुरा विश्व कोरोना महामारी की चपेट में है। इस महामारी से उबरने में फिजियोथैरेपी की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण साबित हो रही है, कोरोना से पीड़ित लोगों को ठीक करने के लिए शुरूआती और प्रवर्तमान पुनर्वास में कबही महत्वपूर्ण है। फिजियोथैरेपी एक सैद्धांतिक चिकित्सीय विज्ञान और जीवन शैली का अनुशासन है। इसमें कुछ विशेष कसरतों की मदद से बीमार व्यक्तियों के शरीर को गतिशीलता प्रदान की जाती है। विशेषज्ञों की सलाह से किए जाने वाले उन मरीजों के लिए उपचार होती है, जिनमें सर्जिकल रोग में पैरालिसिस, चर्मा की कमजोरी या दब जाने, दिमागी श्वेत, स्पाइनल कार्ड इंजुरी, जन्मजात विकृति एवं अन्य कारणों से हुई दिव्यांगता के पुनर्वास में कारगर साबित हो रही है। यह कहना है राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता के निदेशक डॉ. धर्मवी दास का।

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता में बुधवार को संस्थान के फिजियोथैरेपी विभाग की ओर से विश्व फिजियोथैरेपी दिवस के अवसर पर वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित किया गया जो की पुनर्वास एवं कोविड-19 की विशेष धमक पर आधारित था। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के निदेशक डॉ. धर्मवी दास ने वर्चुअल दीर्घक प्रज्वलित करके किया। डॉ दास ने अपने संबोधन में कहा की फिजियोथैरेपी से सामान्य लोग अच्छी तरह से अवगत हैं इसलिए अब फिजियोथैरेपिस्ट को अपनी सेवाओं को अधिक गुणवत्ता परक बनाने हुए मरीजों व दिव्यांगजनों तक पहुँचाना है। कार्यक्रम में छात्रों के लिए पोस्टर प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी, लघु नाटिका एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जन सामान्य को जागरूक करने के उद्देश्य से एक वीडियो को दिखाया गया जो की संस्थान की वेब साइट पर उपलब्ध किया जाएगा। कार्यक्रम में विश्वप्रख्यात प्रवीण कुमार ने प्रतिभागियों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापन विभूति सरकार ने किया। कार्यक्रम में डॉ. अमीर हुकवान, कार्यव्यक्त उप निदेशक (प्रशासन) सहित संस्थान के अधिकारी, शिक्षक एवं छात्र जनसमूह उपस्थित रहे।

वर्चुअल सत्र में हिस्सा लेती फिजियोथैरेपी की छात्राएं।

10th September, 2020 Rajasthan Patrika

epaper.prabhatkhabar.com/in

प्रभात खबर 7/10

विश्व फिजियोथैरेपी दिवस मना

कोलकाता, 9 सितंबर (पिआ) - सर्वसम में भारत सहित पुरा विश्व कोरोना महामारी की चपेट में है। इस महामारी से उबरने में फिजियोथैरेपी की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण साबित हो रही है, कोरोना से पीड़ित लोगों को ठीक करने के लिए शुरूआती और प्रवर्तमान पुनर्वास में कबही महत्वपूर्ण है। फिजियोथैरेपी एक सैद्धांतिक चिकित्सीय विज्ञान और जीवन शैली का अनुशासन है। इसमें कुछ विशेष कसरतों की मदद से बीमार व्यक्तियों के शरीर को गतिशीलता प्रदान की जाती है। विशेषज्ञों की सलाह से किए जाने वाले उन मरीजों के लिए उपचार होती है, जिनमें सर्जिकल रोग में पैरालिसिस, चर्मा की कमजोरी या दब जाने, दिमागी श्वेत, स्पाइनल कार्ड इंजुरी, जन्मजात विकृति एवं अन्य कारणों से हुई दिव्यांगता के पुनर्वास में कारगर साबित हो रही है। राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता के निदेशक डॉ. धर्मवी दास का।

10th September 2020, Prabhat Khabar

विश्व फिजियोथैरेपी दिवस मनाया गया

कोलकाता, 9 सितंबर (पिआ) - सर्वसम में भारत सहित पुरा विश्व कोरोना महामारी की चपेट में है। इस महामारी से उबरने में फिजियोथैरेपी की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण साबित हो रही है, कोरोना से पीड़ित लोगों को ठीक करने के लिए शुरूआती और प्रवर्तमान पुनर्वास में कबही महत्वपूर्ण है। फिजियोथैरेपी एक सैद्धांतिक चिकित्सीय विज्ञान और जीवन शैली का अनुशासन है। इसमें कुछ विशेष कसरतों की मदद से बीमार व्यक्तियों के शरीर को गतिशीलता प्रदान की जाती है। विशेषज्ञों की सलाह से किए जाने वाले उन मरीजों के लिए उपचार होती है, जिनमें सर्जिकल रोग में पैरालिसिस, चर्मा की कमजोरी या दब जाने, दिमागी श्वेत, स्पाइनल कार्ड इंजुरी, जन्मजात विकृति एवं अन्य कारणों से हुई दिव्यांगता के पुनर्वास में कारगर साबित हो रही है। राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता के निदेशक डॉ. धर्मवी दास का।

10th September 2020, Dainik Vishwamitra